शंकर सिंह राजपुरोहित - 12 सितम्बर 1969 को जन्मे कवि, व्यंग्यकार, संपादक व अनुवादक के रूप में ख्यात स्वर्ण पदक विजेता राजपुरोहित अपने रचनात्मक शिल्प वैशिष्ट्य के लिए जाने जाते हैं। व्यंग्य की तीखी धार और हास्य कविताओं से मंचों पर बेहद पसंद किए जाने वाले शंकरसिंह साहित्य अकादमी, दिल्ली के अनुवाद पुरस्कार, राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर के पैली पोथी पुरस्कार व भत्तमाल जोशी महाविद्यालय पुरस्कार, नगर विकास न्यास, राव बीकाजी संस्थान, नेम प्रकाशन, डेह सहित अनेक पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं। सुण अरजुण, आभै रै उण पार, म्रित्यु रासौ जैसी मौलिक कृतियों के साथ गणनायक, कितने पाकिस्तान, उपरवास कथात्रयी, गांधी'ज आउटस्टैंडिंग लीडरशिप और बाइबल के न्यू टेस्टामेंट के अनुवाद लोकप्रिय रहे हैं।